කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2024

2026 ජූලි / අගෝස්තු

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - HIND 18224

අර්ථාවබෝධය හා ප්‍රකාශන ශක්‍යතාව

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 05 යි | කාලය : පැය 03 යි

සभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

01. निम्नलिखित शीर्षकों में से **किसी एक** पर हिंदी में निबंध लिखिए। (16 अंक)

(क) मेरा गाँव दुनिया के सबसे सुंदर गाँव है
(ख) माँ घर की रानी है
(ग) पानी के बिना हम रह नहीं सकते

अथवा

शैक्षिक–यात्रा पर जाने की अनुमति माँगते हुए पिता के नाम पर एक चिट्ठी लिखिए। (16 अंक)

02. (क) निम्नलिखित गद्यांश का सिंहली में अनुवाद कीजिए। (08 अंक)

एक जंगल था। उस जंगल में एक शेर भोजन करके आराम कर रहा था। इतने में एक मख्की उड़ती–उड़ती, वहाँ आ पहूँची। शेर ने दो–तीन दिनों से स्नान नहीं किया था। इसलिए मख्की के एकदम पास भिन–भिन करने लगी। शेर को बहुत मुश्किल से नींद आयी थी। उसने पंजा उठाया। मख्की उड़ गयी। लेकिन फिर से शेर के कान के पास भिन–भिन शुरू हो गयी।

(ख) निम्नलिखित संवाद का हिंदी में अनुवाद कीजिए। (08 अंक)

සුරේෂ් - හලෝ, ශශී, හුඟ දවසකින්. ඔයා දැන් මොකද කරන්නෙ? කොහෙද ඉන්නෙ?

ශශී - හලෝ, සුරේෂ්, ඔව් හුඟ දවසකින් දැක්කෙ. මම දැන් external degree **එකක් කරනවා. ගෙදරමයි ඉන්නෙ.**

සුරේෂ් - හා නියමයි ශශී, ඔයා මොන මොන විෂයන්ද ඉගෙන ගන්නෙ?

ශශී - ඔයා දන්නවනෙ හින්දි මගේ ප්‍රියතම විෂයනෙ, ඉතිං මම degree **එකට ඉගෙන ගන්නෙ හින්දි, සිංහල, සමාජ විද්‍යාව.**

සුරේෂ් - ඇත්තද? බොහොම හොඳයි, මම දවසක ඔයාගෙ ගෙදර එන්නම්. මගේ බස් එක එනවා. Bye.

ශශී - හොඳයි සුරේෂ්, Bye.

03. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपनी हिंदी में लिखिए। (16 अंक)

एक बार की बात है, एक लड़का अपनी माँ के साथ रहता था। उसे अकेले कहीं जाने की अनुमति नहीं थी। लड़के ने सोचा कि वह बड़ा हो गया है और उसे हर जगह अपनी माँ के साथ जाने की ज़रूरत नहीं है, और उसने अपनी माँ को बताये बिना बाहर जाने का फैसला किया। एक दिन जब लड़के की माँ सो रही थी, तो वह चोरी से बाहर निकल गया। वह एक खुले मैदान में खुशी से खेलने लगा। कुछ देर बाद उसे प्यास लगी और वह पास की नदी में पानी पीने चला गया।

वहाँ, उसने देखा कि एक शेर नदी के किनारे खड़ा होकर अपनी ओर घूर रहा है। शेर ने अपने होंठ चाटे, और बेचारा लड़का जानता था कि शेर उसे खाने की योजना बना रहा है। वह डर से काँपने लगा। वह नहीं जानता था कि शेर से खुद को कैसे बचाया जाए।

शेर ने कहा, "तुमने इस नदी का पानी क्यों पिया? तुमने इसे गंदा कर दिया है। अब मैं पानी कैसे पिऊँगा?" डरा हुआ लड़का धीरे–धीरे पीछे हटने लगा। लड़के ने डरते हुए कहा, "इस पानी को मैंने गंदा नहीं किया है। नदी ऊपर से बह रही है, जहाँ आप खड़े है, वहाँ से यह मेरी तरफ नीचे आ रही है।" लड़के ने जवाब दिया।

लड़के के जवाब के बाद शेर चुप रहा। वह लड़के को दोष देने का दूसरा तरीका सोचने लगा। तभी उसने एक औरत की आवाज़ सुनी, "तुम यहाँ अकेले क्यों आये हो? दौड़ो और जल्दी से मेरे पास आओ"

लड़का जितनी तेज़ी से भाग सकता था वह भागा, वह अपनी माँ के पास गया जो प्रतीक्षा कर रही थी। एक साथ वे जंगल में गायब हो गये और शेर निराश रह गया। उस दिन

से, लड़के ने फैसला किया कि वह कभी भी घर से बाहर अकेले नहीं जाएगा, हमेशा अपनी माँ का सम्मान करेगा और उसकी आज्ञा का पालन करेगा।

(a) लड़का किसके साथ रहता था?

(b) एक दिन उस लड़के ने क्या सोचा?

(c) जब वह चोरी से बाहर निकल गया तब माँ क्या कर रही थी?

(d) नदी के पास जाने पर लड़के ने क्या देखा?

(e) शेर ने लड़के से क्या कहा?

(f) लड़के ने डरते हुए शेर से क्या कहा?

(g) शेर ने किसकी आवाज़ सुनी?

(h) अंत में लड़के ने कौन–सा फैसला किया?

04. निम्नलिखित पद्यांशों में **<u>से किसी</u> एक** का भावार्थ लिखिए। (16 अंक)

(क) हैं जनम लेते जगह में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता।
रात में उनपर चमकता चाँद भी
एक ही–सी चाँदनी है डालता।।

मेह उनपर बरसता एक–सा,
एक–सी उनपर हवाएँ हैं बही।
पर सदा ही यह दिखाता है समय,
ढंग उनके एक–से होते नहीं।।

छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर–वसन।
और प्यारी तितलियों के पर कतर,
भौंर का है बेध देता श्याम तन।।

खटकता है एक सब की आँख में,
दूसरा है सोहता सुर–सीस पर।
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।।

(ख) खड़ा द्वार पर लाठी टेके
वह जीवन बूढ़ा पंजर,
चिमटी उसकी सिकुड़ी चमड़ी
हिलते हड्डी के ढाँचे पर।

उसका लंबा डील–डौल है,
हट्टी–कट्टी काठी चौड़ी,
इस खंड़हर में बिजली–सी
उन्मत्त जवानी होगी दौड़ी

गर्मी के दिन, धरे उपरनी सिर,
लुंगी से ढाँपे तन,
नंगी देह भरी बालों से
वनमानुस–सा लगता वह जन।

भूखा है, पैसे पा कुछ गुन–गुन,
खड़ा हो जाता वह घर,
पिछले पैरों के बल उठ
जैसे कोई चल रहा जानवर।

05 सब्जियों की दुकान में दुकानदार और खरीदनेवाले के बीच होनेवाले संवाद का निर्माण कीजिए। (16 अंक)

****